AKSHANSH PUBLICATION

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा आयोजित

राजस्थान पुलिस
PSI
हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र

10 मॉडल प्रश्न-पत्र

10 OMR SHEETS सहित

मारवाड़ी सर

विशेषताएँ :
- परीक्षा की दृष्टि से अतिमहत्वपूर्ण प्रश्नों का व्याख्या सहित हल
- नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित प्रश्नों का समावेशन
- विगत वर्ष के प्रश्न-पत्रों के विश्लेषण पर आधारित प्रश्न

अक्षांश पब्लिकेशन

M. 9079798005, 6376491126

Plot No 1104, Shiksha Mandir, Sec 4, Circle, Main Road, Udaipur

व्याख्यात्मक हल
लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर
के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध

AKSHANSH
PUBLICATION

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा आयोजित

राजस्थान पुलिस

PSI

प्रथम प्रश्न पत्र

10 मॉडल प्रश्न-पत्र

10 OMR SHEETS सहित

"अक्षांश प्रकाशन की समस्त पुस्तकें लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर के अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अक्षांश प्रकाशन की समर्पित टीम के सहयोग से तैयार की गई हैं।"

संपादक
मारवाड़ी सर

सह संपादक
गंगासिंह, अनोपचंद मंडा
प्रकाश भाटी

प्रकाशन
अक्षांश प्रकाशन, उदयपुर (राज.)

नोट :- अब लक्ष्य क्लासेज़ की सभी आगामी पुस्तकें केवल 'अक्षांश प्रकाशन' के माध्यम से ही प्रकाशित की जाएंगी। ये सभी पुस्तकें बाजार में 'अक्षांश' नाम से ही उपलब्ध होंगी। विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि आगामी समय में 'लक्ष्य' नाम से कोई भी पुस्तक प्रकाशित नहीं की जाएगी। इसलिए कृपया पुस्तक खरीदते समय केवल 'अक्षांश प्रकाशन' के नाम से प्रकाशित और अधिकृत पुस्तकें ही बुक स्टोर्स से प्राप्त करें, ताकि आपको प्रमाणिक, अद्यतन एवं परीक्षा-उपयुक्त सामग्री प्राप्त हो।भविष्य में 'लक्ष्य' नाम से प्रकाशित किसी भी पुस्तक की सामग्री या गुणवत्ता की जिम्मेदारी 'अक्षांश प्रकाशन' या 'लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर' की नहीं होगी।

प्रकाशन
अक्षांश प्रकाशन
Plot No 1104, Shiksha Mandir, Sec 4, Circle,
Main Road, Udaipur

लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर से जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करे

TELEGRAM INSTAGRAM YOUTUBE FACEBOOK WHATSAPP

बुक कोड - AP0090

©सर्वाधिकार - अक्षांश प्रकाशन
lakshyaclassesudr@gmail.com

मुख्य वितरक - लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर
M. 9079798005, 6376491126

इस पुस्तक में दी गई सभी जानकारियाँ, तथ्य और सूचनाएँ सावधानीपूर्वक सत्यापित की गई हैं। फिर भी यदि किसी जानकारी या तथ्य में कोई त्रुटि रह गई हो, तो उसके लिए प्रकाशक, संपादक या मुद्रक जिम्मेदार नहीं होंगे।

हमारा विश्वास है कि इस पुस्तक की सामग्री लेखकों द्वारा मौलिक रूप से तैयार की गई है। यदि किसी प्रकार का कॉपीराइट उल्लंघन सामने आता है, तो उसकी जिम्मेदारी प्रकाशक की नहीं होगी।

सभी विवादों के निपटारे के लिए न्यायिक क्षेत्र उदयपुर रहेगा।

अक्षांश प्रकाशन ने इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्त्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित सभी प्रकार की सामग्री पूर्णतः तथ्यात्मक विश्लेषण पर आधारित है। इस पुस्तक के किसी भी भाग और सामग्री को अक्षांश प्रकाशन की अनुमति और जानकारी के बिना अन्यत्र प्रकाशित या प्रिन्ट करना अनुचित है, यदि ऐसा पाया जाता है तो व्यक्ति या संस्थान स्वयं जिम्मेदार है।

अनुक्रमणिका

क्रम संख्या	मॉडल पेपर	पेज संख्या
1.	मॉडल पेपर - 01	1 - 15
2.	मॉडल पेपर - 02	16 - 31
3.	मॉडल पेपर - 03	32 - 46
4.	मॉडल पेपर - 04	47 - 63
5.	मॉडल पेपर - 05	64 - 76
6.	मॉडल पेपर - 06	77 - 89
7.	मॉडल पेपर - 07	90 - 103
8.	मॉडल पेपर - 08	104 - 118
9.	मॉडल पेपर - 09	119 - 132
10.	मॉडल पेपर - 10	133 - 145

1. निम्नलिखित में से किस विकल्प में सही संधि-विच्छेद है?
(a) अम्बूर्मि = अम्बु + ऊर्मि (b) अन्वेषण = अनु + इषण
(c) अत्युत्तम = अति + उतम (d) अन्वय = अनु + वय
(e) अनुत्तरित प्रश्न

2. इनमें कौन-सा संधि-शब्द सही नहीं है?
(a) कृष्ण + अयन = कृष्णायन
(b) वात + अयन = वातायन
(c) दक्षिण + अयन = दक्षिणायन
(d) उत्तर + अयन = उत्तरायन
(e) अनुत्तरित प्रश्न

3. इनमें से कौन-सा संधि-शब्द सही है?
(a) प्रति + ईक्षा = प्रतिक्षा (b) नदी + अर्पण = नद्यार्पण
(c) सत् + नारी = सन्नारी (d) त्रि + अंबक = त्रयम्बक
(e) अनुत्तरित प्रश्न

4. इनमें से किस शब्द का संधि-विच्छेद सही नहीं है?
(a) निरीक्षण = नि: + इक्षण
(b) वयोवृद्ध = वय: + वृद्ध
(c) अंततोगत्वा = अन्तत: + गत्वा
(d) पुनरुक्ति = पुन: + उक्ति
(e) अनुत्तरित प्रश्न

5. निम्नलिखित में से असत्य कथन की पहचान कीजिए-
a. दो सजातीय स्वरों के मेल पर दोनों के बदले सवर्ण दीर्घ स्वर हो जाता है।
b. 'अ' के साथ 'इ' आने पर दोनों मिलकर 'ए' हो जाते हैं। यह विकार वृद्धि कहलाता है।
c. अ +ओ = औ गुण सन्धि का उदाहरण है।
d. किसी वर्ण के प्रथम अक्षर से परे कोई अनुनासिक वर्ण हो तो प्रथम वर्ण के बदले उसी वर्ग का अनुनासिक वर्ण हो जाता है।
e. 'छ' के पूर्व स्वर हो तो 'छ' के बदले 'च्छ' होता है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) b और c (b) d और e
(c) a और c (d) b और d
(e) अनुत्तरित प्रश्न

6. इनमें से किस विकल्प के सभी शब्द कर्मधारय समास के है?
(a) निशाचर, हुक्मनामा (b) पनभरा, छुटभैया
(c) शुभागमन, चरण-कमल (d) गृहस्थ, देशभक्ति
(e) अनुत्तरित प्रश्न

7. किस शब्द में अधिकरण तत्पुरुष समास नहीं है?
(a) सेनानायक (b) घुड़सवार
(c) जलमग्न (d) लोकप्रिय
(e) अनुत्तरित प्रश्न

8. निम्न में से कौन-सा द्वन्द्व समास का उदाहरण नहीं है?
(a) घर-आँगन (b) पाप-पुण्य
(c) लाभ-अलाभ (d) नेक-नाम
(e) अनुत्तरित प्रश्न

9. नीचे दो कथन दिए गए हैं :
कथन - I : द्वन्द्व समास के दो पदों के बीच योजक चिह्न का प्रयोग होता है।
कथन - II : विस्मय, हर्ष, शोक, घृणा, प्रेम आदि भावों को प्रकट करने वाले शब्दों के आगे निर्देशक चिह्न का प्रयोग होता है।
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें :
(a) कथन I असत्य है, किन्तु कथन II सत्य है।
(b) कथन I और II दोनों सत्य हैं।
(c) कथन I और II दोनों असत्य हैं।
(d) कथन I सत्य है, किन्तु कथन II असत्य है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

10. किस विकल्प में सभी शब्द 'संप्रदान तत्पुरुष' समास के उदाहरण हैं?
(a) मुँहबोला, रसोईघर (b) पूजाघर, यशप्राप्त
(c) घोड़ागाड़ी, दानपेटी (d) सत्याग्रह, राहखर्च
(e) अनुत्तरित प्रश्न

11. किस शब्द में केवल एक उपसर्ग जुड़ा हुआ है?
(a) अभिभावक (b) सुप्रसिद्ध
(c) प्रतिनियुक्ति (d) पर्यवेक्षक
(e) अनुत्तरित प्रश्न

12. निम्नलिखित में उपसर्ग रहित शब्द है -
(a) प्रत्येक (b) परास्त
(c) अद्यतन (d) व्याधि
(e) अनुत्तरित प्रश्न

13. इनमें से किस विकल्प के सभी शब्दों में एक से अधिक उपसर्गों का प्रयोग हुआ है?
(a) प्रत्याघात, अप्रत्यक्ष (b) असुरक्षित, अत्यंत
(c) अत्याचार, अध्यात्म (d) निकृष्ट, अभ्यर्थी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

14. इनमें से किस विकल्प के सभी शब्दों में एक से अधिक उपसर्गों का प्रयोग हुआ है?
(a) प्रत्याघात, अप्रत्यक्ष (b) असुरक्षित, अत्यंत
(c) अत्याचार, अध्यात्म (d) निकृष्ट, अभ्यर्थी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

15. किस शब्द में 'ला' उपसर्ग नहीं है?
(a) लापता (b) लाचार
(c) लालसा (d) लावारिस
(e) अनुत्तरित प्रश्न

16. इनमें से किस विकल्प के सभी शब्दों में उपसर्ग तथा प्रत्यय (दोनों) का प्रयोग हुआ है?
(a) घुमक्कड़, मुस्कुराहट (b) अप्रत्याशित, करणीय
(c) परिपूर्णता, अधार्मिक (d) अनुमानित, अत्याचार
(e) अनुत्तरित प्रश्न

17. **किस शब्द में 'अक' प्रत्यय का प्रयोग नहीं हुआ है?**
(a) निंदक (b) बालक
(c) शिक्षक (d) पाठक
(e) अनुत्तरित प्रश्न

18. **इनमें से किस शब्द में 'इयल' प्रत्यय नहीं है?**
(a) सड़ियल (b) नारियल
(c) अड़ियल (d) मरियल
(e) अनुत्तरित प्रश्न

19. **किस शब्द में 'आवट' प्रत्यय नहीं है?**
(a) सजावट (b) मिलावट
(c) बनावट (d) महावट
(e) अनुत्तरित प्रश्न

20. **निम्नलिखित में से तत्सम शब्द हैं :**
(1) कवि **(2) किसान**
(3) फूल **(4) वायु**
(5) घोड़ा
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :
(a) केवल (2) और (5) (b) केवल (1) और (4)
(c) केवल (3) और (2) (d) केवल (3) और (5)
(e) अनुत्तरित प्रश्न

21. **निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम शब्द हैं:**
1. गोबर **2. उष्ट्र**
3. पलंग **4. मयूर**
5. फूल
नीचे दिये गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 4 और 5
(c) केवल 1 और 3 (d) केवल 2 और 4
(e) अनुत्तरित प्रश्न

22. **नीचे दो कथन दिए गए हैं-**
कथन-I: जो शब्द संस्कृत और प्राकृत से विकृत होकर हिन्दी में आए हैं, वे तद्भव कहलाते हैं।
कथन-II: विदेशी भाषाओं से हिन्दी भाषा में आए शब्दों को तद्भव कहते हैं।
उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिये गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) कथन i और कथन ii दोनों सही हैं।
(b) कथन i और कथन ii दोनों ग़लत हैं।
(c) कथन i सही है लेकिन कथन ii ग़लत है।
(d) कथन i ग़लत है लेकिन कथन ii सही है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

23. **निम्नलिखित में से देशज शब्द है-**
(a) शत (b) तिक्त
(c) लोटा (d) क्षीर
(e) अनुत्तरित प्रश्न

24. **किस विकल्प में सभी शब्द विदेशी मूल के हैं?**
(a) जिला, अचार, सेठ (b) कालीन, प्याला, हीरा
(c) नमक, मतलब, हाट (d) आसमान, दरवाजा, दुनिया
(e) अनुत्तरित प्रश्न

25. **निम्नलिखित में से तत्सम शब्द नहीं है :**
(a) मेघ (b) कंचन
(c) आराम (d) कुमार
(e) अनुत्तरित प्रश्न

26. **कौन- सा शब्द तद्भव है?**
(a) व्याकरण (b) स्त्री
(c) गौतम (d) हाथी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

27. **निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा का उदाहरण नहीं है?**
(a) भारत (b) गंगा
(c) पहाड़ (d) हिमालय
(e) अनुत्तरित प्रश्न

28. **निम्नलिखित शब्दों में से भाववाचक संज्ञा का उदाहरण है:**
(a) हिमालय (b) सच्चाई
(c) सभा (d) मिट्टी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

29. **निम्नलिखित वाक्यों में से कौन भाववाचक संज्ञा का उदाहरण नहीं है?**
(a) बुढ़ापा जीवन की कठिन अवस्था है।
(b) रामचरितमानस हिंदी साहित्य की अनुपम निधि है।
(c) मित्रता जीवन का परम धर्म है।
(d) ममता स्त्री का असली धन है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

30. **निम्नलिखित शब्दों में से समूहवाचक संज्ञा का उदाहरण है:**
(a) ममता (b) सभा
(c) बचपन (d) मित्रता
(e) अनुत्तरित प्रश्न

31. **किस विकल्प के सभी शब्द भाववाचक संज्ञा हैं?**
(a) बालक, प्रीति, अनेकता (b) पशुता, पुस्तक, शौर्य
(c) सौन्दर्य, अपनापन, निपुण (d) ईर्ष्या, बचपन, नैतिकता
(e) अनुत्तरित प्रश्न

32. **'जो कमाएगा, वही खाएगा' वाक्य में कौन-सा सर्वनाम प्रयुक्त हुआ है?**
(a) निजवाचक सर्वनाम (b) संबंधवाचक सर्वनाम
(c) निश्चयवाचक सर्वनाम (d) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(e) अनुत्तरित प्रश्न

33. **निम्नलिखित में से किस वाक्य में संबंधवाचक सर्वनाम का प्रयोग हुआ है?**
(a) मैं आप चला जाऊँगा। (b) जो सोता है, सो खोता है।
(c) मुझे कुछ दे दो। (d) वह जंगली गाय है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

34. **"वह लड़का पकड़ा गया, जो कल यहाँ आया था।" वाक्य में 'जो' सर्वनाम का संबंध इनमें से किससे है?**
(a) अनिश्चयवाचक सर्वनाम (b) पुरुषवाचक सर्वनाम
(c) संबंधवाचक सर्वनाम (d) निजवाचक सर्वनाम
(e) अनुत्तरित प्रश्न

35. निम्नलिखित वाक्यों में से निजवाचक सर्वनाम का उदाहरण कौन सा है?
(a) जो झूठ बोलता है वह कभी आगे नहीं बढ़ सकता।
(b) यह लाना ज़रा।
(c) कौन है वहाँ, सामने आओ।
(d) मैं स्वयं चला जाऊँगा।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

36. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य गुणवाचक विशेषण का उदाहरण नहीं है?
(a) महंगाई में सेर-भर दूध भी खरीदना मुश्किल है।
(b) मुझे लाल-लाल टमाटर बहुत पसंद हैं।
(c) नीलिमा के पास चमकीले कपड़े हैं।
(d) कश्मीरी सेब लाल होता है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

37. निम्नलिखित वाक्यों में से किसमें अकर्मक क्रिया का प्रयोग हुआ है?
(a) आज हमने खीरे खाए। (b) रोहन रो रहा है।
(c) नेहा कपड़े धोती है। (d) राम पत्र लिख रहा है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

38. निम्नलिखित वाक्यों में से किसमें अकर्मक क्रिया का प्रयोग नहीं हुआ है?
(a) श्याम सोता है। (b) कृष्ण नहाता है।
(c) महेश खाँसता है। (d) राम पढ़ता है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

39. निम्नलिखित में से किस वाक्य में सकर्मक क्रिया का प्रयोग नहीं हुआ है?
(a) वह विज्ञान पढ़ाता है। (b) बच्चा गीत गा रहा है।
(c) मेरा दिल घबराता है। (d) मोहन क्रिकेट खेलता है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

40. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion) A के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason) R के रूप में।
अभिकथन (A): सकर्मक क्रिया वह होती है जिसका प्रभाव कर्म पर पड़ता है।
कारण (R): सकर्मक क्रिया में "क्या?" या "किसे?" पूछने पर उत्तर नहीं मिलता।
उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) A सही है लेकिन R सही नहीं है।
(b) A सही नहीं है लेकिन R सही है।
(c) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(d) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

41. संबंधसूचक अव्यय का प्रयोग किस वाक्य में नहीं हुआ है?
(a) वह मेरे घर के पीछे रहता है।
(b) हमारे शहर के आसपास बहुत हरियाली है।
(c) माँ के बिना घर सूना–सूना लगता है।
(d) यह काम पहले करना चाहिए था।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

42. किस वाक्य में निपात का प्रयोग नहीं हुआ है?
(a) शहर भर में यह बात फैल गई।
(b) वह तो घर पर नहीं है।
(c) मैं भी आपके साथ चलूंगा।
(d) मैं घर जा रहा हूँ ताकि आराम कर सकूँ।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

43. किस वाक्य में निपात का प्रयोग नहीं हुआ है?
(a) वह कल ही चला जाएगा।
(b) मैं भी उसके साथ जाऊँगा।
(c) मुझे एक गिलास दूध चाहिए।
(d) वह तो आज जाएगा।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

44. विस्मयबोधक अव्ययों के संबंध में कौन–सा तथ्य सही नहीं है?
(a) ये वक्ता के हर्ष, शोक आदि मनोभावों को व्यक्त करते हैं।
(b) इनके आगे विस्मयबोधक चिह्न लगाया जाता है।
(c) एक ही विस्मयबोधक शब्द से सभी मनोभावों को सूचित किया जा सकता है।
(d) ये वाक्य से स्वतंत्र होते हैं।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

45. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion) A के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason) R के रूप में।
अभिकथन (A): क्रिया-विशेषण वाक्य में क्रिया, विशेषण या अन्य क्रिया-विशेषण का बोध कराता है।
कारण (R): क्रिया-विशेषण शब्द रूप, लिंग और वचन के अनुसार बदलते हैं।
उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) A सही है, R गलत है
(b) A गलत है, R सही है
(c) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(d) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं
(e) अनुत्तरित प्रश्न

46. निम्नलिखित में कौन अव्यय का प्रकार नहीं है?
(a) क्रिया-विशेषण (b) संबंधबोधक
(c) समुच्चयबोधक (d) संज्ञा-विशेषण
(e) अनुत्तरित प्रश्न

47. किस विकल्प में सभी शब्द 'रात्रि' के पर्यायवाची हैं?
(a) रैन, निशाचर, त्रियामा (b) रजनी, निशीथ, विभावरी
(c) शर्वरी, निशा, रजनीचर (d) रात, यामिनी, निशिचर
(e) अनुत्तरित प्रश्न

48. निम्नलिखित में से किस विकल्प के सभी शब्द परस्पर पर्यायवाची नहीं है?
(a) शैलजा, गिरिजा, अर्कजा (b) अनल, पावक, कृशानु
(c) अभ्र, शून्य, व्योम (d) अरुण, मार्तंड, मिहिर
(e) अनुत्तरित प्रश्न

49. **निम्नलिखित में 'अग्नि' पर्यायवाची हैं–**
A. धूमकेतु **B. अभ्र**
C. वासव **D. कृशानु**
E. पावक
नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) केवल B, C और D (b) केवल A, D और E
(c) केवल A, B और E (d) केवल B, C और E
(e) अनुत्तरित प्रश्न

50. **'पर्वत' शब्द के लिए निम्नलिखित में से सही पर्याय चुनिए–**
A. सरिता **B. पहाड़**
C. वामा **D. शेल**
E. तुंग
(a) केवल A, C और D (b) केवल C, D और E
(c) केवल B, D और E (d) केवल B, C और D
(e) अनुत्तरित प्रश्न

51. **कौन–सा विलोम शब्द सही नहीं है?**
(a) आकर्षण – विकर्षण (b) अमल – विमल
(c) ईमानदार – बेईमान (d) कृतज्ञ – कृतघ्न
(e) अनुत्तरित प्रश्न

52. **सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए :**

सूची–I (शब्द)	सूची–II (विपरीतार्थक शब्द)
A. ऊर्ध्व	I. मधुर
B. अवसान	II. अधः
C. तिक्त	III. आरंभ
D. सुधा	IV. गरल

नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनिए
(a) A – I, B – III, C – II, D – IV
(b) A – II, B – III, C – I, D – IV
(c) A – III, B – IV, C – I, D – II
(d) A – IV, B – II, C – I, D – III
(e) अनुत्तरित प्रश्न

53. **किस विकल्प में परस्पर विलोम शब्द नहीं हैं?**
(a) निषिद्ध – विहित (b) मसृण – रूक्ष
(c) श्रांत – क्लांत (d) वैमनस्य – सौमनस्य
(e) अनुत्तरित प्रश्न

54. **सही सुमेलित कीजिए:**
शब्द **विलोम शब्द**
a. आगमन **I. विमुख**
b. अभिमुख **II. विरक्त**
c. अनुरक्त **III. अवसान**
d. आरंभ **IV. निर्गमन**
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) a-III, b-II, c-I, d-IV (b) a-IV, b-III, c-II, d-I
(c) a-I, b-IV, c-III, d-II (d) a-IV, b-1, c-II, d-III
(e) अनुत्तरित प्रश्न

55. **निम्नलिखित में से किस विकल्प में समश्रुत भिन्नार्थक शब्दों का अर्थ संगत नहीं है?**
(a) निहत - निहित = नष्ट - छिपा हुआ
(b) उत्पल - उपल = कमल - रत्न
(c) अनुदित - अनूदित = भाषांतरित - अकथनीय
(d) पृष्ट - पृष्ठ = पूछा हुआ – पीठ
(e) अनुत्तरित प्रश्न

56. **निम्नलिखित में से शब्द-युग्म के अर्थ-भेद की दृष्टि से असंगत विकल्प है**
(a) प्रदीप - प्रतीप = दीपक - उलटा
(b) मेघ - मेध = बादल - यज्ञ
(c) उपल - उत्पल = कमल - पत्थर
(d) वर्ण - व्रण = रंग - घाव
(e) अनुत्तरित प्रश्न

57. **किस विकल्प के भिन्नार्थक शब्दों का अर्थभेद सही नहीं है?**
(a) इंद्र – देवराज, इन्दु -चन्द्रमा
(b) उर - हृदय, उरु - विशाल
(c) ग्रंथि – पुस्तक, ग्रंथी - सिक्ख धर्म का पुरोहित
(d) अपत्य – सन्तान, अपथ्य - स्वास्थ्य नाशक
(e) अनुत्तरित प्रश्न

58 **निम्नलिखित में से किस विकल्प में समश्रुत भिन्नार्थक शब्दों का क्रमशः संगत अर्थ नहीं है ?**
(a) कृति-कृती = रचना - निपुण
(b) चतुष्पद-चतुष्पथ = चौपाया - चौराहा
(c) टुक-टूक = टुकड़ा - थोड़ा
(d) कुट-कूट = किला - पहाड़ की चोटी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

59. **कौन–सा शब्द युग्म अर्थ की दृष्टि से संगत नहीं है?**
(a) मंजरी – मंजीर = कोंपल – नूपुर
(b) चरित्र – चरित्रा = आचरण – इमली का पेड़
(c) यष्टि – याष्ठि = लाठी – मोती माला
(d) निशामुख – निशामृग = नाखून – घोंसला
(e) अनुत्तरित प्रश्न

60. **निम्न में से किस विकल्प में शब्द–युग्म का अर्थ–भेद सही नहीं है–**
(a) अनिष्ट – अनिष्ठ = बुरा – निष्ठाहीन
(b) अभिज्ञ – अविज्ञ = जानकार – अनजान
(c) शम – सम = शांति – समान
(d) कुच – कूच = प्रस्थान – केश
(e) अनुत्तरित प्रश्न

61. **इनमें से किस शब्द युग्म का अर्थ सही नहीं है?**
(a) अजर – अजिर = आंगन – देवता
(b) दिन – दीन = दिवस – गरीब
(c) क्रम – कर्म = सिलसिला – कार्य
(d) द्विप – द्वीप = हाथी – टापू
(e) अनुत्तरित प्रश्न

62. दक्षिण–पूर्व के बीच की दिशा को क्या कहते हैं?
(a) ईशान (b) वायव्य
(c) आग्नेय (d) नैर्ऋत्य
(e) अनुत्तरित प्रश्न

63. "किए गए उपकार को न मानने वाला", इस वाक्यांश के लिए उचित शब्द होगा:
(a) विद्वान (b) कृतज्ञ
(c) उपकारी (d) कृतघ्न
(e) अनुत्तरित प्रश्न

64. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए-

सूची-I (वाक्यांश)	सूची-II (एक शब्द)
a. जो दूसरे से ईर्ष्या करे	I. प्रियदर्शी
b. जानने की इच्छा रखने वाले	II. प्रत्यागत
c. जो देखने में प्रिय लगता है	III. ईर्ष्यालु
d. लौटकर आया हुआ	IV. जिज्ञासु

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) a-III, b-IV, c-I, d-II (b) a-IV, b-III, c-II, d-I
(c) a-III, b-IV, c-II, d-I (d) a-I, b-II, c-III, d-IV
(e) अनुत्तरित प्रश्न

65. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए-

सूची-I (वाक्यांश)	सूची-II (एक शब्द)
a. जिसके पार न देखा जा सके	I. निर्दयी
b. अनुचित बात के लिए आग्रह	II. अकथनीय
c. जो कहा न जा सके	III. अपारदर्शी
d. जिसके हृदय में दया नहीं है	IV. दुराग्रह

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्तते उत्तर का चयन कीजिए:
(a) a-IV, b-III, c-II, d-I (b) a-II, b-IV, c-I, d-III
(c) a-III, b-IV, c-II, d-I (d) a-III, b-II, c-IV, d-I
(e) अनुत्तरित प्रश्न

66. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'आमंत्रण' का सर्वाधिक उपयुक्त समानार्थी है?
(a) विपत्ति (b) निमंत्रण
(c) आपत्ति (d) संकट
(e) अनुत्तरित प्रश्न

67. निम्नलिखित में से किस विकल्प के सभी शब्द स्त्रीलिंग हैं?
(a) पीतल, संघ, भीड़ (b) चावल, मोती, आँख
(c) सरकार, दौड़, अरहर (d) सभा, हाथ, कचनार
(e) अनुत्तरित प्रश्न

68. कौन-सा शब्द पुल्लिंग नहीं है?
(a) ज्ञानी (b) नानी
(c) ध्यानी (d) यानी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

69. किस विकल्प के सभी शब्द स्त्रीलिंग रूप हैं?
(a) तुरई, सरसों, आलू (b) आँख, नाक, कान
(c) लौकी, चटाई, मिठाई (d) सूजी, गेहूँ, चना
(e) अनुत्तरित प्रश्न

70. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion) A के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason) R के रूप में।
अभिकथन (A): कर्म कारक उस संज्ञा को कहते हैं जिस पर क्रिया का प्रभाव पड़ता है।
कारण (R): कर्म कारक की विभक्ति 'को' होती है।
उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) A सही है, R गलत है
(b) A गलत है, R सही है
(c) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(d) A और R दोनों सही हैं पर R, A की सही व्याख्या नहीं है
(e) अनुत्तरित प्रश्न

71. किस वाक्य में करण कारक के परसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है?
(a) कारीगर ने पेचकस से ढक्कन खोला।
(b) गाड़ी पेट्रोल से चलती है।
(c) तराजू से सामान तौला जाता है।
(d) वह जयपुर से आज ही आता है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

72. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -
1. कर्ता कारक क्रिया करने वाले को दर्शाता है।
2. कर्ता कारक का चिह्न सदैव 'ने' होता है।
3. वर्तमान काल में कर्ता के साथ 'ने' नहीं आता।
4. 'राम खेलता है' में कर्ता कारक है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :
(a) केवल 1 और 4 (b) केवल 1, 3 और 4
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2, 3 और 4
(e) अनुत्तरित प्रश्न

73. 'आवृत्तिमूलक पक्ष' से संबंधित वाक्य है-
(a) मोहन अध्यापक है। (b) बालक पुस्तक पढ़ रहा है।
(c) बच्ची सो चुकी है। (d) वह स्कूल जाता है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

74. किस विकल्प में आवृत्तिमूलक पक्ष है?
(a) अध्यापक पढ़ा रहे हैं। (b) किताब अलमारी में है।
(c) माँ खाना बनाती है। (d) उसने गीत सुना दिया।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

75. 'सदैव सच बोलो।' इस वाक्य में कौन सी वृत्ति है?
(a) आज्ञार्थ (b) इच्छार्थ
(c) संभावनार्थ (d) निश्चयार्थ
(e) अनुत्तरित प्रश्न

76. निम्नलिखित शब्दों में से शुद्ध शब्दों का चयन कीजिए:
(a) मुहुर्त (b) वीवाहीत
(c) शूर्पणखा (d) पैतृक
(e) स्वसथ
नीचे दिये गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) केवल (1) और (5) (b) केवल (3) और (4)
(c) केवल (2) और (5) (d) केवल (1) और (2)
(e) अनुत्तरित प्रश्न

77. निम्नलिखित में से शुद्ध शब्दों का चयन कीजिए-
1. चरमोत्कर्ष 2. परिक्षा
3. जयोतसना 4. प्रदर्शनी
5. प्रांगन
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) केवल 2 और 5 (b) केवल 1 और 4
(c) केवल 2 और 3 (d) केवल 1 और 5
(e) अनुत्तरित प्रश्न

78. निम्न में से किस विकल्प में सभी शब्द शुद्ध हैं?
(a) मैथलीशरण, रात्रि, मूर्ति (b) पीतांबर, परीक्षा, पुजनीय
(c) युयूत्सा, श्रीमती, मूल्य (d) पड़ोसी, मिट्टी, मूल्य
(e) अनुत्तरित प्रश्न

79. निम्नलिखित में से किस विकल्प के सभी शब्द शुद्ध हैं?
(a) वाल्मीकि, निरोग, नुपुर
(b) सुई, अनुग्रहित, दृष्टा
(c) भगीरथी, द्वारका, अन्तर्द्वन्द
(d) आगामी, बारात, स्वादिष्ठ
(e) अनुत्तरित प्रश्न

80. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य नहीं है :
(a) नौकर के हाथ भेज देना।
(b) आज तुम फिर इतनी देर में आये।
(c) यह पद कई भावों को प्रकट करता है।
(d) अब मेरी बात मान लो।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

81. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य है -
(a) यह विषय अत्यन्त कठिन है।
(b) नौकर के हाथ से भेज देना।
(c) मैं वहाँ एक पुराने मित्र को मिला।
(d) उसे रस्सी बाँधकर ले गए।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

82. किसी के कथन को उद्धृत करते समय किस विराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है?
(a) विस्मयवाचक चिह्न (b) अवतरण या उद्धरण चिह्न
(c) प्रश्नवाचक चिह्न (d) निर्देशक चिह्न
(e) अनुत्तरित प्रश्न

83. किसी के वाक्यों को उद्धृत करने के पूर्व निम्नलिखित में से किस विराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है?
(a) अवतरण चिह्न (b) अर्द्धविराम चिह्न
(c) निर्देशक चिह्न (d) योजक चिह्न
(e) अनुत्तरित प्रश्न

84. मुहावरों के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए –
1. मुहावरों का अर्थ स्थिर होता है।
2. मुहावरों को शब्दशः समझना चाहिए।
3. मुहावरों का प्रयोग भाषा को संक्षिप्त बनाता है।
4. मुहावरे सांस्कृतिक अनुभवों से जुड़े होते हैं।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) केवल 1 और 3 (b) केवल 1, 3 और 4
(c) केवल 2 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4
(e) अनुत्तरित प्रश्न

85. कहावतों के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार कीजिए –
1. कहावतें अनुभवजन्य सत्य व्यक्त करती हैं।
2. कहावतें सदैव आदेशात्मक होती हैं।
3. कहावतें पूर्ण वाक्य के रूप में होती हैं।
4. कहावतों का प्रयोग तर्क को मजबूत करने के लिए किया जाता है।
सही उत्तर चुनिए:
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 1, 3 और 4
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2, 3 और 4
(e) अनुत्तरित प्रश्न

86. निम्न कथनों पर विचार करें –
1. मुहावरों का प्रयोग साहित्य और बोलचाल दोनों में होता है।
2. मुहावरे का अर्थ प्रसंगानुसार बदल सकता है।
3. मुहावरों का शाब्दिक अर्थ ही सही अर्थ होता है।
4. मुहावरों का प्रयोग भावात्मकता बढ़ाता है।
सही उत्तर चुनिए:
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 1, 2 और 4
(c) केवल 2 और 3 (d) केवल 1, 3 और 4
(e) अनुत्तरित प्रश्न

87. निम्न कथनों पर विचार करें –
1. 'घर का भेदी लंका ढाए' एक कहावत है।
2. 'नाक कटना' मुहावरा है।
3. कहावतें सामान्यतः संक्षिप्त वाक्य होती हैं।
4. मुहावरे उपदेशात्मक वाक्य होते हैं।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) केवल 1, 2 और 3 (b) केवल 1 और 4
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2, 3 और 4
(e) अनुत्तरित प्रश्न

88. सूची-I को सूची-II से सुमेलित करे-

सूची-I (कहावत)	सूची-II (अर्थ)
a. ऊँट के मुँह में जीरा	I. आवश्यकता से बहुत कम
b. जैसी करनी वैसी भरनी	II. एक कार्य से दो लाभ
c. एक पंथ दो काज	III. कर्म का फल मिलना
d. देर आए दुरुस्त आए	IV. देर से सही पर अच्छा होना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) a-III, b-II, c-I, d-IV
(b) a-I, b-II, c-III, d-IV
(c) a-II, b-I, c-III, d-IV
(d) a-I, b-III, c-II, d-IV
(e) अनुत्तरित प्रश्न

89. सूची-I को सूची-II से सुमेलित करे-

सूची-I	सूची-II
a. नाक में दम करना	I. परेशान करना
b. रंगे हाथों पकड़ा जाना	II. क्रोध से देखना
c. दिल छोटा करना	III. निराश होना
d. आँखें तरेरना	IV. अपराध करते हुए पकड़ा जाना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:

(a) a-I, b-II, c-III, d-IV
(b) a-III, b-I, c-II, d-IV
(c) a-II, b-III, c-IV, d-I
(d) a-I, b-IV, c-III, d-II
(e) अनुत्तरित प्रश्न

90. किस विकल्प में हिन्दी पारिभाषिक रूप सही नहीं है?

(a) Good faith = सद्भाव
(b) Punitive = दंडात्मक
(c) Bad conduct = दुर्व्यवहार
(d) Attachment = कुर्की
(e) अनुत्तरित प्रश्न

91. किस विकल्प में हिन्दी पारिभाषिक रूप सही है?

(a) Minutes = कार्य योजना
(b) Sub judice = न्यायाधीन
(c) Vigilance = सतर्क
(d) Moral obligation = नैतिक समर्थन
(e) अनुत्तरित प्रश्न

92. निम्नलिखित में से अंग्रेजी पारिभाषिक शब्द के हिन्दी अर्थ की दृष्टि से असंगत विकल्प है -

(a) Constituent – संघटन
(b) Consistency – संगति
(c) Conservation – संरक्षण
(d) Confiscation – अधिहरण
(e) अनुत्तरित प्रश्न

93. 'Supersede' का हिन्दी पारिभाषिक है–

(a) अतिक्रमण करना
(b) अधिग्रहण करना
(c) अधिगमन करना
(d) अधिक्रमण करना
(e) अनुत्तरित प्रश्न

94. निम्नलिखित में असंगत हिन्दी पारिभाषिक है –

(a) Perjury = शपथपूर्वक
(b) Wilful = जानबूझकर
(c) Personnel = कार्मिक
(d) Deponent = अभिसाक्षी
(e) अनुत्तरित प्रश्न

95. कौन–सा शब्द 'Award' का हिंदी समकक्ष नहीं है?

(a) पंचाट (b) अधिनिर्णय
(c) ग्रहण करना (d) पुरस्कार
(e) अनुत्तरित प्रश्न

96. 'Temperamental' का सही पारिभाषिक है–

(a) स्थितप्रज्ञ (b) तुनकमिज़ाज
(c) भुलक्कड़ (d) खुशमिज़ाज
(e) अनुत्तरित प्रश्न

97. नीचे दो कथन दिए गए हैं-

कथन-I: 'जो दूसरों का भला चाहने वाला है' उसे 'परार्थी' कहते हैं।

कथन-II: 'जो स्वयं का भला चाहने वाला है' उसे 'स्वार्थी' कहते हैं।

उपर्युक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) कथन I और II दोनों गलत हैं।
(b) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलते है।
(c) कथन I गलत है, लेकिन कथन II से II सही है।
(d) कथन I और II दोनों सही हैं।
(e) अनुत्तरित प्रश्न

98. सूची I का सूची II से मिलान करें-

सूची I (वाक्यांश/अर्थ)	सूची II (एक शब्द)
(A) रथ पर चढ़ा हुआ योद्धा	(I) अधोमुखी
(B) किसी पक्ष का समर्थन करनेवाला वकील	(II) अधिशुल्क
(C) वास्तविक मूल्य के ऊपर लिया जानेवाला शुल्क	(III) अधिवक्ता
(D) नीचे की ओर मुख किया हुआ	(IV) अधिरथी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए-

(a) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)
(b) (A)-(III), (B)-(II), (C)-(I), (D)-(IV)
(c) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(II)
(d) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(II)
(e) अनुत्तरित प्रश्न

99. पुल्लिंग शब्द है-

(a) गंगा (b) यमुना
(c) सतलज (d) हिमाद्रि
(e) अनुत्तरित प्रश्न

100. (^) कोष्ठक में किया गया चिह्न किसका है?

(a) योजक चिह्न (b) लाघव चिह्न
(c) निर्देशक चिह्न (d) हंस पद या त्रुटिपरक चिह्न
(e) अनुत्तरित प्रश्न

♦♦♦♦

1. [a]

व्याख्या:-

- अम्बूर्मि = अम्बु + ऊर्मि (दीर्घ स्वर संधि)
- **यण् संधि -** यदि इ/ई, उ/ऊ और ऋ के बाद इनके अतिरिक्त कोई असमान स्वर (यानी इ/ई के बाद इ/ई के अतिरिक्त, उ/ऊ के बाद उ/ऊ के अतिरिक्त और ऋ के बाद ऋ के अतिरिक्त स्वर) आ जाए तो इनका क्रमशः 'य्', 'व्' और 'र्' हो जाता है तथा मिलने वाले स्वर की मात्रा 'य्', 'व्' और 'र्' में लग जाएगी।
- अर्थात् - इ/ई + असमान स्वर = य्
  उ/ऊ + असमान स्वर = व्
  ऋ + असमान स्वर = र्
  अन्वेषण = अनु + एषण (यण् संधि)
  अत्युत्तम = अति + उत्तम (यण् संधि)
  अन्वय = अनु + अय (यण् संधि)
  स्त्री + उचित [ई + उ + यु] = स्त्रयुचित (यण् + संधि)
  नदी + अर्पण [ई + अ = य] = नद्यर्पण (यण् संधि)

2. [d]

व्याख्या:-

- ह्रस्व या दीर्घ स्वर (अ,इ,ऊ,ऋ) के बाद समान स्वर आए तो दोनों मिलकर दीर्घ स्वर (आ, ई, ऊ, ॠ) बनाते हैं, जिसे दीर्घ स्वर संधि कहते हैं।
- उत्तर + अयन = उत्तरायण् होगा (दीर्घ संधि)
- अन्न + अभाव **(**अ + अ = आ**)** = अन्नाभाव **(**दीर्घ संधि**)**

3. [c]

व्याख्या:-

- प्रति + इक्षा = प्रतीक्षा (दीर्घ संधि)
- नदी + अर्पण = नद्यर्पण (यण् संधि)
- त्रि + अंबक = त्र्यम्बक (यण् संधि)
- सत् + नारी = सन्नारी (व्यंजन संधि)

4. [a]

व्याख्या:-

- **विसर्ग संधि-** विसर्ग के साथ स्वर या व्यंजन का मेल होने पर विसर्ग के उच्चारण और लेखन में जो विकार/परिवर्तन होता है, उसे विसर्ग संधि कहते हैं।
  निरीक्षण = निः + ईक्षण
  वयोवृद्ध = वय: + वृद्ध
  अंततोगत्वा = अन्तत: + गत्वा
  पुनरुक्ति = पुन: + उक्ति
  तपोवन = तप:+वन
  अधोभाग = अध:+भाग
  मनोनुकूल = मन:+अनुकूल
  तेजोराशि = तेज:+राशि
  मनोकामना = मन:+कामना

5. [a]

व्याख्या:-

- दो सजातीय स्वरों (जैसे अ + अ, इ + इ) के मिलने पर उनके स्थान पर सवर्ण दीर्घ स्वर (आ, ई आदि) हो जाता है। यह **सवर्ण दीर्घ सन्धि** का नियम है, इसलिए यह कथन सही है।
- अ + इ के मेल से ए बनता है, यह सही है, लेकिन इसे वृद्धि सन्धि कहा गया है, जो गलत है। वास्तव में यह **गुण सन्धि** होती है, इसलिए कथन असत्य है।
- अ + ओ के मेल से औ बनता है, जो **वृद्धि सन्धि** है, जबकि इसे गुण सन्धि कहा गया है। इसलिए यह कथन भी असत्य है।
- यदि किसी वर्ण के बाद उसके वर्ग का अनुनासिक वर्ण आता है, तो पहले वर्ण के स्थान पर उसी वर्ग का अनुनासिक हो जाता है। यह **अनुस्वार/अनुनासिक सन्धि** का नियम है, इसलिए कथन सही है।
- यदि 'छ' से पहले स्वर हो, तो 'छ' के स्थान पर 'च्छ' हो जाता है (जैसे आ + छादन → आच्छादन)। यह व्यंजन सन्धि का नियम है, इसलिए कथन सही है। अतः असत्य कथन **(b)** और **(c)** हैं।

6. [c]

व्याख्या:-

- कर्मधारय समास - जिस समास में प्रथम पद या पूर्व पद विशेषण एवं दूसरा पद या उत्तर पद विशेष्य हो तथा एक पद उपमान तथा दूसरा पद उपमेय हो तो, वह 'कर्मधारय समास' कहलाता है।
- शुभागमन = शुभ है जो आगमन। (कर्मधारय समास)
- चरण-कमल = चरण रूपी कमल । (रूपक कर्मधारय समास)
- निशाचर = निशा में विचरण करने वाला (राक्षस) (बहुव्रीहि समास)
- हुक्मनामा = हुक्म का नाम (तत्पुरुष समास)
- छुटभैया = जो भैया छोटा हो। (नेताओं का पिट्ठू) (बहुव्रीहि समास)
- देशभक्त = देश का भक्त (तत्पुरुष समास)

7. [a]

व्याख्या:-

- **तत्पुरुष समास** - जिस समास में उत्तर पद अर्थात् दूसरा पद प्रधान हो, वह तत्पुरुष समास कहलाता है। इसकी पहचान यह है कि दोनों पदों के बीच लगी विभक्ति या विभक्ति चिह्नों का लोप हो जाता है तथा समास विग्रह करने पर विभक्ति चिह्न नजर आते हैं।
- सेनानायक - सेना का नायक (संबंध तत्पुरुष)
- घुड़सवार - घोड़े पर सवार (अधिकरण तत्पुरुष)
- जलमग्न - जल में मग्न (अधिकरण तत्पुरुष)
- लोकप्रिय - लोक में प्रिय (अधिकरण तत्पुरुष)

8. [d]

व्याख्या:-

- जब दो या अधिक शब्द समान रूप से प्रधान होते हैं और उनका योगात्मक (और) अर्थ निकलता है, तो वहाँ द्वंद्व समास होता है; जैसे - राम-लक्ष्मण (राम और लक्ष्मण), पाप-पुण्य (पाप और पुण्य) आदि।
- नेक-नाम द्वन्द्व समास का उदाहरण नहीं है।

9. [d]

व्याख्या:-

- कथन I :द्वन्द्व समास में दोनों पद समान महत्त्व रखते हैं और कई बार लिखित रूप में उनके बीच योजक चिह्न (–) लगाया जाता है, जैसे – माता-पिता, राम-लक्ष्मण। इसलिए यह कथन सत्य है।
- कथन II :विस्मय, हर्ष, शोक, घृणा आदि भावों को प्रकट करने वाले शब्दों के बाद विस्मयादिबोधक चिह्न (!) लगाया जाता है, न कि निर्देशक चिह्न। निर्देशक चिह्न (:) का प्रयोग उदाहरण या विवरण बताने के लिए होता है। इसलिए यह कथन असत्य है।

10. [d]

व्याख्या:-

- जिस समस्तपद में दूसरा पद प्रधान हो और प्रथम पद के कारक – चिह्न का लोप हो उसे तत्पुरुष समास कहते हैं।
- सम्प्रदान तत्पुरुष - इसमें दो पदों के बीच सम्प्रदान कारक छिपा होता है। सम्प्रदान कारक का चिह्न या विभक्ति "के लिए" होती है।

विद्यालय	=	विद्या के लिए आलय
रसोईघर	=	रसोई के लिए घर
सभाभवन	=	सभा के लिए भवन
विश्रामगृह	=	विश्राम के लिए गृह
गुरुदक्षिणा	=	गुरु के लिए दक्षिणा
प्रयोगशाला	=	प्रयोग के लिए शाला
देशभक्ति	=	देश के लिए भक्ति
परीक्षाभवन	=	परीक्षा के लिए भवन
स्नानघर	=	स्नान के लिए घर
बालामृत	=	बालकों के लिए अमृत
सभामंडप	=	सभा के लिए मंडप
सत्याग्रह	=	सत्य के लिए आग्रह
यज्ञशाला	=	यज्ञ के लिए शाला
डाकगाड़ी	=	डाक के लिए गाड़ी

11. [a]

व्याख्या:-

- वे शब्द या शब्दांश जो किसी मूल शब्द के पूर्व में जुड़कर उस शब्द के अर्थ को परिवर्तित कर देते हैं, या नए शब्द का निर्माण करते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं।
- अभिभावक (अभि) में केवल एक ही उपसर्ग का प्रयोग हुआ है।
- सुप्रसिद्ध (सु, प्र), प्रतिनियुक्ति (प्रति, नि), पर्यवेक्षक (परि, अव) उपसर्ग का प्रयोग हुआ है।

12. [c]

व्याख्या:-

- वह शब्दांश या अव्यय, जो किसी शब्द के आरंभ में जुड़कर मूल शब्द के अर्थ में विशेषता ला दे या उसका अर्थ ही बदल दे, उपसर्ग कहलाते है। जैसे– परास्त (पर + अस्त), व्याधि (वि + आधि), प्रत्येक (प्रति + एक)।
- अद्यतन में किसी भी उपसर्ग का प्रयोग नहीं है।

13. [a]

व्याख्या:-

- प्रति + आ + घात = प्रत्याघात,
  अ + प्रति + अक्ष = अप्रत्यक्ष
- अन्य के उपसर्ग निम्न है- असुरक्षित (अ,सु), अत्यंत (अति) अत्याचार (अति,आ), अध्यात्म (अधि), निकृष्ट (नि), अभ्यर्थी (अभि)।

14. [a]

व्याख्या:-

- प्रति + आ + घात = प्रत्याघात,
- अ + प्रति + अक्ष = अप्रत्यक्ष
- अन्य के उपसर्ग निम्न है- असुरक्षित (अ,सु), अत्यंत (अति)
- अत्याचार (अति,आ), अध्यात्म (अधि), निकृष्ट (नि), अभ्यर्थी (अभि)।

15. [c]

व्याख्या:-

- विदेशी उपसर्ग- इन्हें आगत उपसर्ग भी कहा जाता है। विदेशी उपसर्गों में अरबी-फारसी और अंग्रेज़ी के उपसर्गों का प्रयोग विदेशी भाषा के शब्दों के साथ किया जाता है। इस प्रकार के शब्द भी हिंदी में प्रयोग किए जाते हैं;
- लालसा मूल शब्द है। अतः इसमें कोई भी उपसर्ग नहीं है। ला उपसर्ग का अर्थ – बिना।
- ला + चार = लाचार, ला + वारिस = लावारिस, ला + पता = लापता,लाजवाब =ला+जवाब, लापरवाह= ला+परवाह।

16. [c]

व्याख्या:-

- परिपूर्णता (परि उपसर्ग और ता प्रत्यय)
- अधार्मिक (अ उपसर्ग और इक प्रत्यय)।
- घुमक्कड़ (अक्कड़ प्रत्यय), मुस्कुराहट (आहट प्रत्यय),
- अप्रत्याशित (अ, प्रति उपसर्ग और इत प्रत्यय), करणीय
- (ईय प्रत्यय),अनुमानित (अनु प्रत्यय और इत प्रत्यय), अत्याचार (अति, आ उपसर्ग)।

17. [b]

व्याख्या:-

अक प्रत्यय से निर्मित शब्द -

- चालक, पावक, पाठक, लेखक, पालक, विचारक, विचार, खटक, धावक, गायक, नायक, दायक आदि।
- नमकीन (नमक + ईन), रंगीन (रंग + ईन) और
- शौकीन (शौक + ईन) आदि ईन प्रत्यय से निर्मित शब्द हैं।

18. [b]

व्याख्या:-

- जो शब्दांश, शब्दों के अंत में जुड़कर अर्थ में परिवर्तन लाये, प्रत्यय कहलाते है। जैसे - पाठक, शक्ति, भलाई, मनुष्यता आदि।
- इयल प्रत्यय से बने शब्द निम्न है- मरियल, सड़ियल, दढ़ियल, अड़ियल, हरियल।

19. [d]

व्याख्या:-

- प्रत्यय उस शब्द या शब्दांश को कहते हैं जो किसी शब्द के अंत में लग कर उसके अर्थ में परिवर्तित कर देते हैं, अर्थात् नए अर्थ का बोध कराते हैं।
- प्रत्यय दो शब्दों 'प्रति' तथा 'अय' के योग से बना है, जिसमें 'प्रति' का अर्थ 'साथ में' तथा 'अय' का अर्थ 'जुड़ना' अर्थात् प्रत्यय से तात्पर्य किसी शब्द के साथ जुड़कर नए शब्द या अर्थ का बोध कराना है।

- ◈ आवट प्रत्यय से निर्मित शब्द- लिखावट, सजावट, बनावट, थकावट,दिखावट इत्यादि।
- ◈ महावट में मूल शब्द 'महा' और 'वट' प्रत्यय है।
- ◈ नमकीन (नमक + ईन), रंगीन (रंग + ईन) और
- ◈ शौकीन (शौक + ईन) आदि ईन प्रत्यय से निर्मित शब्द हैं।

20. [b]

व्याख्या:-

- ◈ दिए गए विकल्पों में से, तत्सम शब्द कवि और वायु हैं।

21. [d]

व्याख्या:-

- ◈ दिए गए शब्दों में से 'उष्ट्र' और 'मयूर' तत्सम शब्द हैं।

22. [c]

व्याख्या:-

- ◈ विदेशी भाषाओं से आए शब्दों को तद्भव नहीं, बल्कि 'विदेशी/आगत' शब्द कहते हैं।

23. [c]

व्याख्या:-

- ◈ **देशज शब्द-** लोटा

24. [d]

व्याख्या:-

- ◈ विकल्प d में सभी शब्द विदेशी मूल के हैं: आसमान (फ़ारसी), दरवाजा (फ़ारसी), और दुनिया (अरबी)।

25. [c]

व्याख्या:-

- ◈ आराम तत्सम शब्द नहीं है; यह एक तद्भव शब्द है, जिसका तत्सम रूप 'आरामक' है।

26. [d]

व्याख्या:-

- ◈ तद्भव शब्द वे होते हैं जो या तो सीधे प्राकृत भाषा से हिन्दी में आए होते हैं या संस्कृत से प्राकृत होते हुए हिन्दी में पहुंचे हैं। इन शब्दों का मूल संस्कृत है, लेकिन समय के साथ रूप बदल गया है।

उदाहरण–

तत्सम	तद्भव
उत्सव	उच्छव
हस्ति	हाथी
कार्य	काज
गृह	घर

27. [c]

व्याख्या:–

- ◈ व्यक्तिवाचक संज्ञा किसी विशेष व्यक्ति, स्थान या वस्तु का नाम बताती है।

  (a) भारत – एक विशेष देश का नाम – व्यक्तिवाचक संज्ञा

  (b) गंगा – एक विशेष नदी का नाम – व्यक्तिवाचक संज्ञा

  (d) हिमालय – एक विशेष पर्वत-श्रेणी का नाम – व्यक्तिवाचक संज्ञा

  (c) पहाड़ – सामान्य नाम (किसी भी पर्वत के लिए) – जातिवाचक संज्ञा

28. [b]

व्याख्या:–

- ◈ किसी पदार्थ के धर्म या भाव का बोध करवाने वाले शब्दों को भाववाचक संज्ञा कहते है। जैसे :– सच्चाई, बुराई, अच्छाई सुन्दरता आदि।

29. [b]

व्याख्या:–

- ◈ भाववाचक संज्ञा वह होती है जिससे किसी गुण, अवस्था, भाव या धर्म का बोध हो।

  (a) बुढ़ापा – अवस्था का बोध – भाववाचक संज्ञा

  (c) मित्रता – भाव का बोध – भाववाचक संज्ञा

  (d) ममता – भाव का बोध – भाववाचक संज्ञा

  (b) रामचरितमानस – यह एक ग्रंथ का नाम है – व्यक्तिवाचक संज्ञा, भाववाचक नहीं

30. [b]

व्याख्या:-

- ◈ समूह का बोध करवाने वाले शब्दों में समूह वाचक संज्ञा होती है। जैसे :– सभा, परिवार, कक्षा, दल, जत्था आदि।

31. [d]

व्याख्या:-

- ◈ विकल्प (d) के सभी शब्द, ईर्ष्या, बचपन, नैतिकता भाववाचक संज्ञाएँ हैं। बालक शब्द **व्यक्तिवाचक संज्ञा** का है।

32. [b]

व्याख्या:-

- ◈ 'जो कमाएगा, वही खाएगा' वाक्य में संबंधवाचक सर्वनाम प्रयुक्त हुआ है। यहाँ 'जो' और 'वही' शब्द आपस में एक-दूसरे से संबंधित हैं।

33. [b]

व्याख्या:-

- ◈ संबंधवाचक सर्वनाम वह होता है जो दो उपवाक्यों को जोड़ता है और संबंध स्थापित करता है, जैसे – जो, सो, जैसा, वैसा, जिसका, जिसका आदि।

  (a) मैं आप चला जाऊँगा। – 'आप' पुरुषवाचक सर्वनाम

  (b) जो सोता है, सो खोता है। – 'जो' संबंधवाचक सर्वनाम है

  (c) मुझे कुछ दे दो। – 'कुछ' अनिश्चयवाचक सर्वनाम

  (d) वह जंगली गाय है। – 'वह' संकेतवाचक सर्वनाम

34. [c]

व्याख्या:-

- ◈ ऐसे सर्वनामों **को** संबंधवाचक **सर्वनाम** कहा जाता है।
- ◈ वाक्य में 'जो' सर्वनाम का संबंध 'वह लड़का' से है, क्योंकि यह 'लड़का' संज्ञा शब्द के साथ संबंध स्थापित कर रहा है, जो एक संबंधवाचक सर्वनाम है।

35. [d]

व्याख्या:-

- ◈ निजवाचक सर्वनाम वह होता है जो कर्ता के अपने ही भाव या कार्य पर बल देता है, जैसे– स्वयं, खुद, अपने आप आदि।

  (a) 'जो' – संबंधवाचक सर्वनाम

  (b) 'यह' – संकेतवाचक सर्वनाम

  (c) 'कौन' – प्रश्नवाचक सर्वनाम

  (d) 'स्वयं' – निजवाचक सर्वनाम

36. [a]

व्याख्या:-

- **गुणवाचक विशेषण-** वे विशेषण जो संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दोष, अवस्था, रंग, आकार आदि का बोध कराते हैं।
- मुझे लाल-लाल टमाटर बहुत पसंद हैं।
- नीलिमा के पास चमकीले कपड़े हैं।
- कश्मीरी सेब लाल होता है।
- **परिमाणवाचक विशेषण-** वे विशेषण जो किसी वस्तु की मात्रा या माप बताते हैं।
- महंगाई में सेर-भर दूध भी खरीदना मुश्किल है।

37. [b]

व्याख्या:-

- रोहन रो रहा है। अकर्मक क्रिया वह होती है जिसमें क्रिया का फल सीधे कर्ता पर पड़ता है और कर्म की आवश्यकता नहीं होती।

38. [d]

व्याख्या:-

- राम पढ़ता है" में अकर्मक क्रिया का प्रयोग नहीं हुआ है क्योंकि यहाँ 'पढ़ता' क्रिया एक सकर्मक क्रिया है, जिसका अर्थ है कि क्रिया का प्रभाव कर्म पर पड़ता है।

39. [c]

व्याख्या:-

- "मेरा दिल घबराता है" में **सकर्मक क्रिया** का प्रयोग नहीं हुआ है। यह एक **अकर्मक क्रिया** का उदाहरण है क्योंकि यहाँ क्रिया का फल कर्ता (मेरा दिल) पर ही पड़ रहा है।

40. [b]

व्याख्या:-

- अभिकथन (A): सकर्मक क्रिया वह क्रिया होती है जिसका प्रभाव किसी कर्म (object) पर पड़ता है, जैसे – राम फल खाता है। यहाँ "फल" कर्म है, इसलिए कथन सही है।
- कारण (R): सकर्मक क्रिया में "क्या?" या "किसे?" पूछने पर उत्तर मिलता है, न कि नहीं मिलता। जैसे - राम क्या खाता है? → फल। इसलिए कारण गलत है। अतः अभिकथन सही है, पर कारण गलत है, इसलिए सही विकल्प (a) है।

41. [d]

व्याख्या:-

- **संबंधसूचक अव्यय**– वे अव्यय शब्द जो किसी संज्ञा शब्द (अथवा संज्ञा के समान उपयोग में आने वाले शब्द) के आगे आकर उसका संबंध वाक्य के किसी दूसरे शब्द के साथ स्थापित करते हैं, उसे **संबंध सूचक** कहते हैं।

जैसे:-

- पानी के बिना जीवन नहीं है।
- धन के बिना किसी का काम नहीं चलता।

42. [d]

व्याख्या:-

- **निपात–** किसी भी बात पर अतिरिक्त भार देने के लिए जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है, उसे **निपात** कहते है।
- जैसे– तक, मत, क्या, हाँ, भी, केवल, जी, नहीं, न, काश आदि।

निपात के प्रकार निम्न हैं–

- **स्वीकृतिबोधक (स्वीकार्य) निपात** – हा, जी, जी हाँ।
- **नकारबोधक निपात** – जी नहीं, नहीं।
- **निषेधबोधक निपात** – मत।
- **प्रश्नबोधक निपात** – क्या।
- **विस्मयबोधक निपात** – क्या, काश।
- **तुलनाबोधक निपात** – सा।
- **अवधारणाबोधक निपात**– ठीक, करीब, लगभग, तकरीबन।
- **आदरबोधक निपात** – जी।

43. [c]

व्याख्या:-

- निपात की परिभाषा**-** निपात ऐसे अव्यय शब्द होते हैं जो वाक्य में विशेष जोर, सीमा, तुलना, विरोध या समावेश का भाव प्रकट करते है, जैसे – ही, भी, तो, मात्र, तक आदि।

विकल्पों का विश्लेषण:

- वह कल ही चला जाएगा।
  यहाँ 'ही' निपात है, जो 'कल' पर विशेष जोर दे रहा है।
  अर्थ – वह सिर्फ कल ही जाएगा, किसी और दिन नहीं।
  (b) मैं भी उसके साथ जाऊँगा।
  यहाँ 'भी' निपात है, जो समावेश (inclusion) का भाव प्रकट करता है।
  अर्थ – उसके साथ और लोग जाएँगे, मैं भी जाऊँगा।
  (c) मुझे एक गिलास दूध चाहिए।
  इस वाक्य में कोई निपात शब्द नहीं है।
  यह सामान्य कथन है, जिसमें केवल कर्ता, कर्म और क्रिया हैं।
  (d) वह तो आज जाएगा।
  यहाँ 'तो' निपात है, जो जोर या विरोध का भाव प्रकट करता है।
  अर्थ – चाहे कुछ भी हो, वह आज ही जाएगा।

44. [c]

व्याख्या:-

- **विस्मयादिबोधक अव्यय –** जिन अवयवों का संबंध वाक्य के किसी पद से नहीं होता बल्कि जो अव्यय केवल वक्ता के आनंद, हर्ष, भय, शोक, तिरस्कार, घृणा आदि भाव सूचित करते हैं, उन्हें **विस्मयादिबोधक अव्यय** कहते हैं।
  जैसे– ओह ! कमबख्त ने कितनी बेदर्दी से पीटा है।
- **अव्यय के प्रकार –** क्रियाविशेषण अव्यय, समुच्चयबोधक अव्यय, संबंधबोधक अव्यय, विस्मयादिबोधक अव्यय और निपात अव्यय।

45. [a]

व्याख्या:-

- अभिकथन (A): क्रिया-विशेषण का कार्य वाक्य में क्रिया, विशेषण या किसी अन्य क्रिया-विशेषण की विशेषता बताना होता है, जैसे – वह बहुत तेज दौड़ता है। इसलिए यह कथन सत्य है।
- कारण (R): क्रिया-विशेषण अव्यय होते हैं, इसलिए ये रूप, लिंग और वचन के अनुसार नहीं बदलते। अतः यह कथन असत्य है।

46. [d]

व्याख्या:-

अव्यय के मुख्य प्रकार –

- क्रिया-विशेषण (जैसे – यहाँ, वहाँ, जल्दी)
- संबंधबोधक (जैसे – के लिए, से, तक)
- समुच्चयबोधक (जैसे – और, लेकिन, क्योंकि)
- विस्मयादिबोधक (जैसे – अरे!, वाह!)

47. [b]

व्याख्या:-

- रात्रि :– रजनी, निशीथ, विभावरी, विभा, निशि, निशा यामिनी, यामा, रात, शर्वरी, राका आदि।

48. [a]

व्याख्या:-

- **पार्वती -** शैलजा, गिरिजा, गिरिपुत्री, शैलपुत्री, भवानी, शक्ति, दुर्गा, गौरी।
- **यमुना –** अर्कजा, कालिंदी, सूर्यसुता, रवितनया, भानुजा।

49. [b]

व्याख्या:-

- **आग के पर्यायवाची शब्द –** धूमकेतु, दाहक, हव्यवाहन, पावक, वायुसखा, अनल, दहन, अग्नि, कृशानु।
- **आकाश के पर्यायवाची शब्द –** अम्बर, गगन, नभ, व्योम, अनन्त, अंतरिक्ष, आसमान, तारापथ, अभ्र, फलक, दिव, खगोल, शून्य इत्यादि।
- **इन्द्र के पर्यायवाची शब्द –** देवराज, अमरपति, देवेन्द्र, पुरंदर, वासव, शक्र, शचीपति, शतऋतु, सुरपति, सुरेश इत्यादि।

50. [c]

व्याख्या:-

- **पर्वत के पर्यायवाची शब्द** = पहाड़, शेल, चट्टान, तुंग, पहाड़, गिरि, अचल, नग, महीधर, शैल, भूधर, तुंग, अद्रि, शिखर, धरणीधर, भूमिधर, नगपति, और गिरिराज।
- **सरिता के पर्यायवाची शब्द** = नदी, तटिनी, तरंगिणी, निर्झरिणी, आपगा, निम्नगा

51. [b]

व्याख्या:-

- अमल–विमल विलोम युग्म सही नहीं है।
- अमल का विलोम मलिन होगा।
- अन्य विकल्प सही सुमेलित हैं।

52. [b]

व्याख्या:-

- ऊर्ध्व (ऊपर) = अधः (नीचे)
- अवसान (अंत) = आरंभ (प्रारंभ)
- तिक्त (कड़वा) = मधुर (मीठा)
- सुधा (अमृत) = गरल (विष)

53. [c]

व्याख्या:-

- श्रांत और क्लांत दोनों शब्द परस्पर समानार्थी हैं, जिसका अर्थ 'थका हुआ' होता है।
- श्रांत का सही विलोम अश्रांत होगा।

54. [d]

व्याख्या:-

- आगमन – निर्गमन
  आगमन का अर्थ है आना, जबकि निर्गमन का अर्थ है जाना या बाहर निकलना। दोनों विपरीत अर्थ वाले शब्द हैं।
- अभिमुख – विमुख
  अभिमुख का अर्थ है किसी की ओर मुड़ा हुआ या अनुकूल, जबकि विमुख का अर्थ है विपरीत दिशा में या अनिच्छुक। इसलिए यह सही विलोम है।
- अनुरक्त – विरक्त
  अनुरक्त का अर्थ है आसक्त या प्रेमपूर्ण, जबकि विरक्त का अर्थ है अनासक्त या उदासीन। अतः दोनों परस्पर विलोम हैं।
- आरंभ – अवसान
  आरंभ का अर्थ है शुरुआत और अवसान का अर्थ है अंत। इसलिए ये एक-दूसरे के विपरीत हैं।

55. [c]

व्याख्या:-

- अनुदित – अकथनीय
- अनूदित = भाषांतरित।

56. [c]

व्याख्या:-

- उपल = पत्थर
- उत्पल = कमल

57. [c]

व्याख्या:-

- ग्रंथि – गांठ
- ग्रंथी - सिक्ख धर्म का पुरोहित/ विद्वान

58 [c]

व्याख्या:-

(a) कृति – कृती → रचना – निपुण

(b) चतुष्पद – चतुष्पथ → चौपाया – चौराहा

(c) टुक – टूक → "टुक" का अर्थ टुकड़ा सही है, पर "टूक" का अर्थ "थोड़ा" नहीं होता; यह प्रयोग मान्य अर्थ नहीं है।

(d) कुट – कूट → किला – पहाड़ की चोटी

59. [d]

व्याख्या:-

- मंजरी–मंजीर का अर्थ कोंपल और नूपुर है, जो सही है।
- चरित्र–चरित्रा का अर्थ आचरण और इमली का पेड़ होता है, यह भी संगत है।
- यष्टि–याष्टि क्रमशः लाठी और मोती की माला के अर्थ में सही हैं।
- निशामुख और निशामृग के अर्थ नाखून और घोंसला नहीं होते, इसलिए यह युग्म असंगत है।

60. [d]

व्याख्या:-

- (a) अनिष्ट – अनिष्ठ
  अनिष्ट = बुरा, अहितकर
  अनिष्ठ = जिसमें निष्ठा न हो, निष्ठाहीन
- (b) अभिज्ञ – अविज्ञ
  अभिज्ञ = जानकार, परिचित
  अविज्ञ = अनजान, अज्ञानी
- (c) शम – सम
  शम = शांति, मानसिक स्थिरता
  सम = समान, बराबर
- (d) कुच – कूच
  कुच = स्तन
  कूच = प्रस्थान, चल देना
- न तो 'कुच' का अर्थ 'प्रस्थान' है और न ही 'कूच' का अर्थ 'केश' है।

61. [a]

व्याख्या:-

- अजर का अर्थ होता है जो कभी वृद्ध न हो और अजिर का अर्थ आंगन होता है, इसलिए दिए गए अर्थ गलत हैं।
- दिन–दीन (दिवस–गरीब), क्रम–कर्म (सिलसिला–कार्य) तथा द्विप–द्वीप (हाथी–टापू) के अर्थ सही हैं।

62. [c]

व्याख्या:-

- दक्षिण और पूर्व दिशा का कोण – **आग्नेय**
- दक्षिण और पश्चिम दिशा का कोण **– नैऋत्य**
- पूर्व और उत्तर दिशा का कोण – **ईशान**
- उत्तर और पश्चिम दिशा का कोण – **वायव्य**
- जहाँ धरती और आकाश मिलते दिखाई देते हो– **क्षितिज।**

63. [d]

व्याख्या:-

- कृतज्ञ = किए गए उपकार को मानने वाला।
- कृतघ्न = किए गए उपकार को न मानने वाला।

64. [a]

व्याख्या:-

- जो दूसरे से ईर्ष्या करे → ईर्ष्यालु
- जानने की इच्छा रखने वाले → जिज्ञासु
- जो देखने में प्रिय लगता है → प्रियदर्शी
- लौटकर आया हुआ → प्रत्यागत

65. [c]

व्याख्या:-

- जिसके पार न देखा जा सके → अपारदर्शी
- अनुचित बात के लिए आग्रह → दुराग्रह
- जो कहा न जा सके → अकथनीय
- जिसके हृदय में दया नहीं है → निर्दयी

66. [b]

व्याख्या:-

- 'आमंत्रण' और 'निमंत्रण' दोनों का अर्थ किसी समारोह या अवसर पर बुलावा देना होता है। जबकि 'विपत्ति', 'आपत्ति' और 'संकट' कष्ट या परेशानी से संबंधित शब्द हैं। इसलिए अर्थ की समानता के आधार पर 'निमंत्रण' ही 'आमंत्रण' का सही समानार्थी है।

67. [c]

व्याख्या:-

शब्द	**प्रकार**
सरकार	स्त्रीलिंग
दौड़	स्त्रीलिंग
अवसर	स्त्रीलिंग
सभा	स्त्रीलिंग
भीड़	स्त्रीलिंग
आँख	स्त्रीलिंग
हाथ	पुल्लिंग

68. [b]

व्याख्या:-

- 'नानी' स्त्रीलिंग शब्द है, जिसका पुल्लिंग शब्द 'नाना' होगा।

69. [c]

व्याख्या:-

- विकल्प 3 के सभी शब्द **लौकी, चटाई, मिठाई** स्त्रीलिंग रूप में हैं।
- तुरई और सरसों शब्द **स्त्रीलिंग** हैं, लेकिन आलू **पुल्लिंग** है।
- सूजी **स्त्रीलिंग शब्द** है, लेकिन 'गेहूँ' और 'चना' **पुल्लिंग शब्द** हैं।

70. [c]

व्याख्या:-

- अभिकथन सही है क्योंकि कर्म कारक उस संज्ञा को कहते हैं जिस पर क्रिया का प्रभाव पड़ता है, जैसे "राम ने फल खाया" में 'फल' कर्म है।
- कारण भी सही है क्योंकि कर्म कारक में सामान्यतः 'को' विभक्ति का प्रयोग होता है।
- 'को' विभक्ति कर्म की पहचान कराती है, इसलिए कारण अभिकथन की उचित व्याख्या करता है।

71. [d]

व्याख्या:-

- करण कारक में कार्य के साधन या माध्यम का बोध होता है और इसके परसर्ग प्रायः 'से' आदि होते हैं।
  (a) पेचकस से ढक्कन खोला। – 'से' साधन (करण कारक)
  (b) पेट्रोल से चलती है। – 'से' साधन (करण कारक)
  (c) तराजू से सामान तौला जाता है। – 'से' साधन (करण कारक)
  (d) जयपुर से आता है। – यहाँ 'से' का प्रयोग अपादान कारक (स्थान से अलग होना/आना) में है, न कि करण कारक में।

72. [b]

व्याख्या:-

- कथन 1 सही है क्योंकि कर्ता कारक क्रिया करने वाले को बताता है।
- कथन 2 गलत है क्योंकि 'ने' का प्रयोग हर स्थिति में नहीं होता, यह मुख्यतः भूतकाल के सकर्मक वाक्यों में आता है।
- कथन 3 सही है क्योंकि वर्तमान काल में कर्ता के साथ 'ने' नहीं आता।
- कथन 4 सही है क्योंकि "राम खेलता है" में 'राम' कर्ता है।

73. [d]

व्याख्या:-

- मोहन अध्यापक है। – यह **नित्यताबोधक पक्ष** का वाक्य है।
- बालक पुस्तक पढ़ रहा है। – यह **सातत्यपक्ष** को दर्शाता है।
- बच्ची सो चुकी है। – यह **पूर्णता** को दर्शाता है (क्रिया पूरी हो चुकी है)।
- वह स्कूल जाता है। – यह क्रिया की **आवृत्ति** को दर्शाता है, यानी यह कार्य **नियमित रूप** से बार-बार होता है।

74. [c]

व्याख्या:-

- **सातत्य पक्ष -** सातत्य पक्ष वह होता है जिससे किसी क्रिया के लगातार चालू रहने या जारी रहने का बोध होता है।
- इस पक्ष में क्रिया का कार्य अभी हो रहा है, चल रहा है या काफी समय से जारी है - ऐसा संकेत मिलता है।

उदाहरण-

- बच्चे खेल रहे हैं।
- अध्यापक पढ़ा रहे हैं।
- वर्षा हो रही है।

- ◈ इन वाक्यों में क्रिया अभी समाप्त नहीं हुई है, बल्कि लगातार जारी है - यही **सातत्य बोधक पक्ष** है।
- ◈ **आवृत्तिमूलक पक्ष -** क्रिया का ऐसा रूप जो कार्य के बार-बार या नियमित रूप से होने को दर्शाए।
- ◈ **माँ खाना बनाती है। –** यह नियमित रूप से होने वाली क्रिया है, यानी आवृत्तिमूलक पक्ष को दर्शाता है।

75. [a]

व्याख्या:-

- ◈ आज्ञार्थ वृत्ति में क्रिया आज्ञा, आदेश या निर्देश को व्यक्त करती है। वाक्य "सदैव सच बोलो" में "बोलो" एक आदेशात्मक क्रिया है, जो आज्ञार्थ वृत्ति को दर्शाती है।

76. [b]

व्याख्या:-

- ◈ **शुद्ध शब्द-** शूर्पणखा, पैतृक, मुहूर्त, विवाहित, स्वस्थ।

77. [b]

व्याख्या:-

- ◈ **शुद्ध शब्द-** चरमोत्कर्ष, प्रदर्शनी, परीक्षा, ज्योत्सना, प्रांगण।

78. [d]

व्याख्या:-

- ◈ **शुद्ध शब्द-** मैथिलीशरण, रात्रि, मूर्ति, पीतांबर, परीक्षा, पूजनीय, युयुत्सा, श्रीमती, मूल्य, पड़ोसी और मिट्टी।

79. [c]

व्याख्या:-

- ◈ भागीरथी, द्वारका और अन्तर्द्वन्द – तीनों शब्द मानक वर्तनी के अनुसार शुद्ध हैं।
- ◈ विकल्प (a) में 'नुपुर' अशुद्ध है, सही रूप 'नूपुर' होता है।
- ◈ विकल्प (b) में 'अनुग्रहित' अशुद्ध है, सही रूप 'अनुगृहित' है।
- ◈ विकल्प (d) में 'बारात' और 'स्वादिष' अशुद्ध हैं; सही रूप 'बरात' और 'स्वादिष्ट' होते हैं।

80. [a]

व्याख्या:-

शुद्ध वाक्य-

- ◈ नौकर द्वारा भेज देना।
- ◈ आज तुम फिर इतनी देर में आये।
- ◈ यह पद कई भावों को प्रकट करता है।
- ◈ अब मेरी बात मान लो।

81. [a]

व्याख्या:-

- ◈ यह विषय अत्यन्त कठिन है।
- ◈ नौकर द्वारा भेज देना।
- ◈ मैं वहाँ एक पुराने मित्र से मिला।
- ◈ उसे रस्सी से बाँधकर ले गए।

82. [b]

व्याख्या:-

अवतरण या उद्धरण चिह्न (" ")

- ◈ जब किसी वक्ता के शब्दों को हू-ब-हू (जैसे कहे गए हों वैसे ही) जैसे के तैसे प्रस्तुत किया जाता है, तब उन शब्दों को दुहरे उद्धरण चिह्न (" ") के भीतर लिखा जाता है; जैसे- स्वामी विवेकानंद ने कहा था – "उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।"
- ◈ इकहरे उद्धरण चिह्न का प्रयोग किसी एक शब्द या पद पर विशेष जोर देने (High Light) के लिए किया जाता है; जैसे- रामधारी सिंह 'दिनकर'।
- ◈ 'रामचरितमानस' की रचना तुलसीदास जी द्वारा अवधी भाषा में की गई।

83. [a]

व्याख्या:-

- ◈ जब किसी व्यक्ति के कथन या वाक्य को ज्यों-का-त्यों प्रस्तुत किया जाता है, तो उसे अवतरण चिह्न (" ") के भीतर लिखा जाता है। उदाहरण: सीमा ने कहा, "मैं आज नहीं आऊँगी।" यहाँ "मैं आज नहीं आऊँगी।" – यह सीमा का कथन है, इसलिए इसे अवतरण चिह्न में लिखा गया है।

अन्य विकल्पों का प्रयोग–

- ◈ अर्द्धविराम (;) – समान स्तर के वाक्यांशों को अलग करने के लिए।
- ◈ निर्देशक चिह्न (:) – सूची या स्पष्टीकरण देने से पहले।
- ◈ योजक चिह्न (-) – दो शब्दों को जोड़ने के लिए।

84. [b]

व्याख्या:-

- ◈ कथन 1 सही है क्योंकि मुहावरों का अर्थ निश्चित रहता है।
- ◈ कथन 2 गलत है क्योंकि मुहावरों को शब्दश: नहीं समझा जाता।
- ◈ कथन 3 सही है क्योंकि मुहावरे भाषा को संक्षिप्त बनाते हैं।
- ◈ कथन 4 सही है क्योंकि मुहावरे सांस्कृतिक अनुभवों से जुड़े होते हैं।

85. [b]

व्याख्या:-

- ◈ कथन 1 सही है क्योंकि कहावतें अनुभवजन्य सत्य व्यक्त करती हैं।
- ◈ कथन 2 गलत है क्योंकि कहावतें हमेशा आदेशात्मक नहीं होतीं।
- ◈ कथन 3 सही है क्योंकि कहावतें सामान्यत: पूर्ण वाक्य होती हैं।
- ◈ कथन 4 सही है क्योंकि तर्क को मजबूत करने हेतु प्रयोग होती हैं।

86. [b]

व्याख्या:-

- ◈ कथन 1 सही है क्योंकि मुहावरे बोलचाल और साहित्य दोनों में आते हैं।
- ◈ कथन 2 सही है क्योंकि अर्थ प्रसंग से स्पष्ट होता है।
- ◈ कथन 3 गलत है क्योंकि शाब्दिक अर्थ सही अर्थ नहीं होता।
- ◈ कथन 4 सही है क्योंकि मुहावरे भावात्मकता बढ़ाते हैं।

87. [a]

व्याख्या:-

- ◈ कथन 1 सही है क्योंकि यह एक कहावत है।
- ◈ कथन 2 सही है क्योंकि 'नाक कटना' मुहावरा है।
- ◈ कथन 3 सही है क्योंकि कहावतें संक्षिप्त वाक्य होती हैं।
- ◈ कथन 4 गलत है क्योंकि मुहावरे उपदेशात्मक वाक्य नहीं होते।

88. [d]

व्याख्या:-

सही सुमेल

a. ऊँट के मुँह में जीरा	I. आवश्यकता से बहुत कम
b. जैसी करनी वैसी भरनी	III. कर्म का फल मिलना
c. एक पंथ दो काज	II. एक कार्य से दो लाभ
d. देर आए दुरुस्त आए	IV. देर से सही पर अच्छा होना

89. [d]

व्याख्या:-

a. नाक में दम करना	I. परेशान करना
b. रंगे हाथों पकड़ा जाना	IV. अपराध करते हुए पकड़ा जाना
c. दिल छोटा करना	III. निराश होना
d. आँखें तरेरना	II. क्रोध से देखना

90. [c]

व्याख्या:-

- Bad conduct **–** बुरा आचरण
- Good faith **–** सद्भाव
- Punitive **–** दंडात्मक
- Attachment **–** कुर्की
- Discrimination – भेदभाव
- Desecration – पवित्रता का हनन
- Desperation – बेचैनी
- Devotion – धर्मनिष्ठा
- Demarcation – सीमा रेखा
- Depression – शक्तिहीनता

91. [b]

व्याख्या:-

- Sub judice = न्यायाधीन ◈ Minutes = कार्यवृत्त
- Vigilance = सतर्कता

92. [b]

व्याख्या:-

- Consistency - **स्थिरता**

93. [d]

व्याख्या:-

- Supersede **–** अधिक्रमण करना
- Deportation **–** निर्वासन,
- Unfair – अनुचित,
- Statutory – सांविधिक
- Cut Motion – कटौती प्रस्ताव,
- Detenu – कैदी, नजरबन्द,
- Agrarian– कृषि संबंधी
- Supersede – अधिक्रमण करना,
- Exonerate– दोष मुक्त करना
- Consolidated Fund– संचित,
- Educational Qualification– शैक्षिक योग्यता

94. [a]

व्याख्या:-

- Perjury – झूठा साक्ष्य
- Wilful – जानबूझकर
- Personnel – कार्मिक
- Deponent **–** अभिसाक्षी
- Judicial Tribunal – न्यायिक न्यायालय
- Juvenile Offender – किशोर अपराधी
- Apprentice – शिक्षु
- Disposal – निपटान, व्यवस्था।

95. [c]

व्याख्या:-

- Award **–** पंचाट/ अधिनिर्णय/ पुरस्कार
- Enforcement **–** प्रवर्तन या लागू करना
- Maladministration **–** कुव्यवस्थित प्रशासन
- Overdraft **–** अधिविकर्ष

96. [b]

व्याख्या:-

- Temperamental – तुनकमिज़ाज
- Desperation – बेचैनी
- Devotion– धर्मनिष्ठा
- Demarcation – सीमा रेखा
- Depression – शक्तिहीनता

97. [d]

व्याख्या:-

- कथन I सही है क्योंकि 'परार्थी' वह व्यक्ति होता है जो दूसरों के हित की कामना करता है।
- कथन II भी सही है क्योंकि 'स्वार्थी' वह होता है जो अपने ही हित की चिंता करता है। इसलिए दोनों कथन सही हैं।

98. [a]

व्याख्या:-

(A) रथ पर चढ़ा हुआ योद्धा → (IV) अधिरथी

(B) किसी पक्ष का समर्थन करनेवाला वकील → (III) अधिवक्ता

(C) वास्तविक मूल्य के ऊपर लिया जानेवाला शुल्क → (II) अधिशुल्क

(D) नीचे की ओर मुख किया हुआ → (I) अधोमुखी

इस प्रकार सही सुमेल (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I) है।

99. [d]

व्याख्या:-

- हिमाद्री पुल्लिंग शब्द है।
- नदियों के नाम स्त्रीलिंग होते है।

100. [d]

व्याख्या:-

- **त्रुटिपरक चिह्न या हंस पद चिह्न (^) –** इस चिह्न का प्रयोग जब हमसे लिखने में कुछ छूट जाता है, किया जाता है।
- राम विद्यालय ^ गया।
- (यहाँ छूटा हुआ शब्द ऊपर लिखकर ^ से जोड़ा जाता है।)

अन्य विकल्प–

- योजक चिह्न (-) – शब्दों को जोड़ने के लिए।
- लाघव चिह्न (॰) – संक्षेप के लिए।
- निर्देशक चिह्न (:) – सूची या स्पष्टीकरण के पहले।

♦♦♦♦

विज्ञापन

सफलता की चाबी
राजस्थान परीक्षा हेतु PYQ's सीरीज़

लक्ष्य क्लासेज उदयपुर

लक्ष्य क्लासेज उदयपुर के विषय विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में,
अक्षांश प्रकाशन द्वारा प्रकाशित।

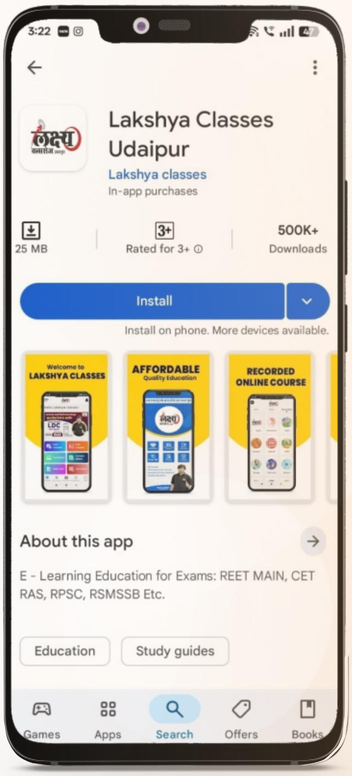

Scan to Download Lakshya App Now

Google play

व्याख्यात्मक हल
लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर
के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध

MRP : ₹ 160

S.No. APO090 CODE : APDO(35) NRT

राजस्थान के सभी बुक स्टोर्स एवं लक्ष्य क्लासेज एप्लीकेशन पर उपलब्ध!

सफलता के पथ पर सबसे तेज उभरता हुआ संस्थान
लक्ष्य क्लासेज™

M. 9079798005, 6376491126
Plot No 1104, Shiksha Mandir, Sec 4, Circle, Main Road, Udaipur